केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन
मुख्यालय कार्यालय, प्रयागराज
जनसम्पर्क विभाग

संख्या : कोर/जी/पीआर/10/22 दिनांक 30.03.2022

मुख्य संपादक
प्रयागराज

प्रेस विज्ञप्ति

उत्तर प्रदेश एवं गुजरात में विद्युतीकृत रेल मार्गों का बढ़ता दायरा

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना द्वारा ब्रॉड गेज रूटों के शत-प्रतिशत विद्युतीकरण के लक्ष्य को और आगे बढ़ते हुए केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन प्रयागराज की लखनऊ एवं अहमदाबाद परियोजना ने क्रमशः उत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल में आने वाले बाराबंकी-अयोध्या कैंट (99.25 **RKM)** सेक्शन एवं पश्चिम रेलवे के भावनगर पारा मण्डल के धोला-सीहोर-पालीताना(56.9 **RKM)** सेक्शन का विद्युतीकरण कार्य पूर्ण करने के उपरान्त दिनांक 30.03.2022 को सीआरएस निरीक्षण का कार्य सफलता पूर्वक पूर्ण करा कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल किया है।

रेल मार्ग बाराबंकी-अयोध्या कैंट-अकबरपुर के अयोध्या कैंट-अकबरपुर रेल खण्ड का विद्युतीकरण पहले ही किया जा चुका है। अब बाराबंकी-अयोध्या कैंट रेल खण्ड का विद्युतीकरण होने से बाराबंकी-अयोध्या कैंट-अकबरपुर रेल मार्ग पूर्णरूप से विद्युतीकृत हो गया है। जिससे लखनऊ से अयोध्या कैंट तक मेमू सवारी गाड़ी चलायी जा सकेगी। लखनऊ-अयोध्या कैंट-अकबरपुर रेल खण्ड पर अब इंजन परिवर्तन से निजात मिलेगी। अयोध्या में श्री राम लला, मन्दिर होने से यह हिन्दुओं का एक प्रमुख तीर्थ स्थल है। अतः इस खण्ड के विद्युतीकृत होने से तीर्थ यात्रियों को आने-जाने में सुविधा होगी।

धोला-सीहोर-पालीताना रेल खण्ड के विद्युतीकरण होने से पालिताना (एक टर्मिनेटिंग स्टेशन) तक का रेल मार्ग विद्युतीकृत हो जाएगा। पालिताना दुनिया भर में जैन समुदायों के लिए सबसे पवित्र पूजा स्थलों में से एक है। यहां जिन मंदिरों को समूहबद्ध किया गया है, उन्हें तुंक के रूप में जाना जाता है, और जैनियों के लिए यह तीर्थ यात्रा जीवन में कम से कम एक बार हिंदुओं द्वारा की गई चार धाम यात्रा की तरह महत्वपूर्ण है। मुंबई बांद्रा टर्मिनस से पालिताना (ट्रेन संख्या 22935) के बीच एक सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन चल रही है। जिसके लिए लोकोमोटिव इंजन को इलेक्ट्रिक से डीजल में बदला जा रहा था। इलेक्ट्रिक से डीजल

लोकोमोटिव या इसके विपरीत बदलने के लिए उपयोग किए गए संसाधनों (समय, धन और जनशक्ति) को अब संरक्षित किया जाएगा। यह विद्युतीकृत खण्ड इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के साथ तेज और बेहतर ट्रेन सेवा का कार्य करेगा। रेलवे विद्युतीकरण के शीघ्र पूरा होने का लाभ बहुत प्रभावशाली है जो डीजल लोकोमोटिव की निर्भरता को कम करेगा।

स्वच्छ पर्यावरण के लिए संकल्पित शून्य कार्बन उत्सर्जन के मिशन के साथ भारतीय रेल को हरित रेल बनाने की राह पर केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, अहम भूमिका निभा रहा है।

कोर के महाप्रबन्धक श्री यशपाल सिंह, ने लखनऊ एवं अहमदाबाद परियोजना की इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि कोर, रेल लाइनों के पूर्ण विद्युतीकरण करने के लक्ष्य की ओर निरन्तर अग्रसर हैं, उसी दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है।

(अमिताभ शर्मा)
मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी
कोर/प्रयागराज